स्टार्ट-अप्स हैं विकास का इंजन

41,061

हो चुकी है भारतीय स्टार्ट-अप की संख्या

38

हुई एक अरब डॉलर से ऊपर के मूल्य वाले स्टार्ट-अप की संख्या

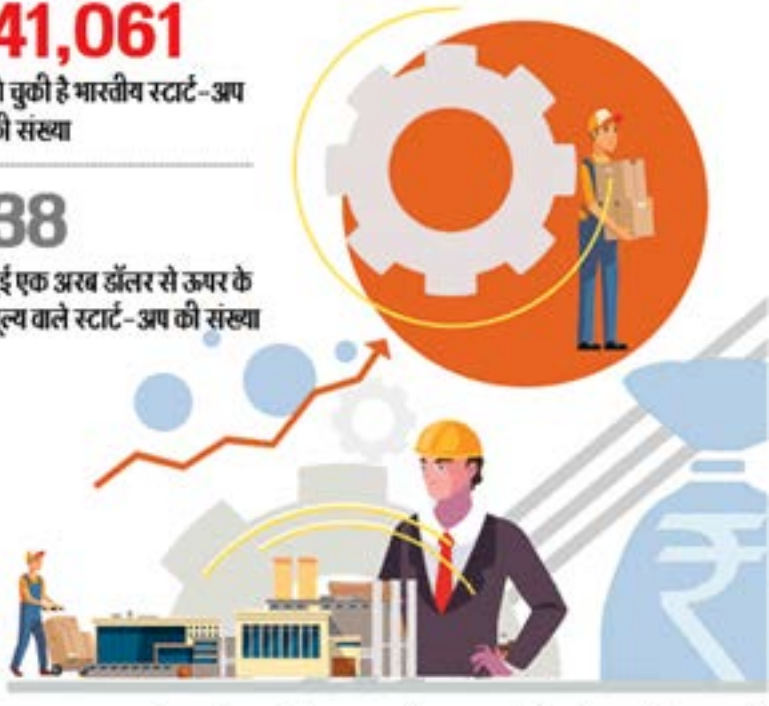

नई दिल्ली, प्रेट्र : सदन में पेश आर्थिक सर्वेक्षण, 2020-21 में स्टार्ट-अप्स के बेहतर भविष्य को लेकर कई बातें कही गई हैं। सर्वे के अनुसार, कोरोना काल की विषम परिस्थितियों से आगे निकलते हुए पिछले साल 12 स्टार्ट-अप्स ने यूनीकॉर्न यानी एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का दर्जा हासिल किया है। इसे मिलाकर भारत अब एक अरब डॉलर मूल्य वाले 38 स्टार्ट-अप का घर बन चुका है। इस दिशा में हालांकि और तेजी से प्रगति करना अभी बाकी है।

शुक्रवार को पेश आर्थिक सर्वे में सरकार ने उम्मीद जताई है कि देश के विकास में स्टार्टअप्स इंजन की भूमिका निभा सकता है। इनके प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा तैयार इकोसिस्टम में वे सभी तत्व मौजूद हैं जिनकी मदद से ये देश को नई ऊंचाई पर ले जा सकेंगे। 23 दिसंबर, 2020 तक के आंकड़ों के मुताबिक, देश में स्टार्टअप्स की तेजी से बढ़ती संख्या 41,061 तक पहुंच गई। इनमें 4.7 लाख लोगों को रोजगार भी दिया जा चुका है।

स्टार्ट-अप की मदद के लिए सरकार पहले ही 'स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया' अभियान की शुरुआत कर चुकी है। इसके अलावा फंड की कमी को दूर करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का फंड भी तैयार किया गया है।